महत्वपूर्ण एवं खास

उषाड़ बीट में मिला भालू का क्षत-विक्षत शव

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही(आरएनएस)। शिकारियों की बढ़ती सक्रियता के कारण अब जंगलों में खतरनाक जानवर भी सुरक्षित नहीं रह पा रहे हैं। मरवाही वन मंडल के उषाड़ बीट में एक भालू का क्षत-विक्षत शव पाया गया है, जिसके अंग गायब हैं, जिससे शिकार किए जाने की आशंका जताई जा रही है। यह मामला मनेंद्रगढ़ वनमंडल और मरवाही वनमंडल की सीमा पर स्थित मरवाही वन परिक्षेत्र के उषाड़ बीट का है, जहां करीब 8 से 10 दिन पुराना भालू का शव मिला है। वन विभाग को इस शव की जानकारी हाल ही में मिली है, और भालू की मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम के बाद ही किया जाएगा। वहीं, वन क्षेत्र में सक्रिय शिकारियों पर कार्रवाई करने की बजाय शिकार हो रहे जानवरों की जानकारी समय पर नहीं मिलने से वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। इस मामले में डीएफओ रौनक गोयल ने भालू के शव मिलने की पुष्टि की है।

मोबाइल ब्लास्ट में युवक घायल

बेमेतरा-रायपुर (आरएनएस)। जिले में मोबाइल फटने से युवक घायल हो गया। घायल युवक पैंट की जेब में मोबाइल लेकर घूमने जा रहा था। इसी दौरान मोबाइल गर्म होने पर जेब से निकालते समय मोबाइल में जोरदार ब्लास्ट हो गया। जिससे घटना में युवक का पैर पूरी तरीके से झुलस गया। पीड़ित युवक नीतीश कुमार वर्मा ग्राम लोलेसरा का रहने वाला है। फ़िलहाल उसका जिला अस्पताल बेमेतरा में इलाज चल रहा है।

मलकीत सिंह गेंदू ने ईडी को सौंपा 30 पन्नों का जवाब

रायपुर (आरएनएस)। सुकमा और कोंटा में बने राजीव भवन निर्माण मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच जारी है। इसी सिलसिले में मलकीत सिंह गेंदू ईडी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने ईडी द्वारा पूछे गए चार सवालों के जवाब में 30 पन्नों का जवाब सौंपा। ईडी ने 25 फरवरी को राजीव भवन पहुंचकर मलकीत सिंह गेंदू को समन जारी किया था। ईडी ने उनसे निर्माण कार्यों और संबंधित वित्तीय लेन-देन को लेकर स्पष्टीकरण मांगा था। राजीव भवन निर्माण को लेकर जांच के दायरे में आए इस मामले में ईडी विभिन्न स्तरों पर पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की पूछताछ के बाद इस जांच में और भी नए तथ्य सामने आ सकते हैं।

राज्य में उद्योग बंद होने से नाराज डा. महंत कहा ये कैसी उद्योग नीति

रायपुर (आरएनएस)। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने सवाल किया कि जनवरी 2024 से जनवरी 2025 तक कितने उत्पादन केंद्र बंद हुए? उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि पांच उद्योग बंद हुए हैं. सरकार की योजना अनुरूप अनुदान दिया गया था. वित्तीय कारणों की वजह से उद्योग बंद हुए हैं. 2023 में कांग्रेस शासनकाल के दौरान 18 उद्योग बंद हुए थे, और बीते पाँच साल में 27 उद्योग बंद हुए हैं.डॉ. महंत ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर पंडरिया में शक्कर कारखाना शुरू हुआ था. 28 फ़रवरी को इसे बंद कर दिया गया, क्योंकि गन्ने का भुगतान नहीं किया गया. भोरमदेव का शक्कर कारखाना और बालोद का शक्कर कारखाना भी बंद कर दिया गया है. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने एक रिवॉल्विंग फण्ड बनाया था, जिससे भुगतान होता है. यदि कारखाने इस तरह से बंद होते रहे, तो कैसी औद्योगिक नीति बना रहे हैं. उद्योग बंद होने पर कारखाना अधिनियम में मुआवजा देने का प्रावधान है. क्या मजदूरों को मुआवजा का भुगतान किया गया है? इस पर उद्योग मंत्री लखन देवांगन ने कहा कि श्रम अधिनियम के अनुसार मजदूरों के भुगतान की प्रक्रिया की जाएगी. जो नियम में होगा वैसा किया जाएगा.

पीएमश्री विद्यालय घरघोड़ा में आयोजित हुआ जिला स्तरीय अटल वर्कशॉप

रायगढ़

पीएमश्री विद्यालय घरघोड़ा में अटल टिकरिंग लैब के तत्वाधान में जिला स्तरीय अटल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मदनपुर एवं केंद्रीय विद्यालय रायगढ़ को भी आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर पीएम विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किए।

कक्षा दसवीं की विद्यार्थी सुमित सारथी एवं सूर्य कुमार सोनवानी ने स्मार्ट कार पार्किंग एवं कार स्पीड डिटेक्टर का शानदार मॉडल बनाकर प्रस्तुत किए एवं कक्षा 11वीं की विद्यार्थी ने स्पाइडर-मैन रोबोटिक मॉडल बनाकर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओपी जिंदल विश्वविद्यालय रायगढ़ के यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग में वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ.सरोज कुमार उपस्थित रहे। मौके पर नरेंद्र चौधरी डीएमसी, भुवनेश्वर पटेल एपीसी, राजेश मिश्रा प्राचार्य कया, रंजीत कन्नौजिया अध्यक्ष शाला प्रबन्धन समिति एवं विकासखंड के अन्य विद्यालय के प्रभारी शिक्षक गण एवं बाल वैज्ञानिक गण उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि सरोज कुमार ने ड्रोन और रोबोटिक्स के बारे में काफी उपयोगी जानकारी प्रदान की एवं ओ पी जिंदल यूनिवर्सिटी द्वारा निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी एवं अटल टिंकरिंग लेब प्रभारी प्रमोद कुमार वर्मा घरघोड़ा के द्वारा अटल टिकलिंग लैब के महत्व एवं उद्देश्यों पर जानकारी दिए। उन्होंने बताया कि विज्ञान एवं नवाचार में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह एक आदर्श प्लेटफार्म है, जो उनके सपनों को साकार कर सकता है। इसके पश्चात उधमिता से जुड़े मास्टर ट्रेनर ओमप्रकाश साहू सर जो उद्यम लर्निंग फाउंडेशन में फील्ड ऑपरेशन एसोसिएट है। उन्होंने बताया कि कैसे अपनी रचनात्मकता एवं विचारों का इस्तेमाल कर अपने लिए नए अवसर कैसे बनाया जाता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए समस्या को पहचान कर समाधान प्रस्तुत करने को कहा। इसके पश्चात डीएमसी नरेंद्र चौधरी ने अटल टिंकरिंग लेब से जुड़े अपने अनुभव को साझा किया एवं आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए। इसके लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर दिए। इसके पश्चात भुवनेश्वर पटेल एपीसी ने शासन की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की योजनाओं की जानकारी दी। जो विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ व्यवसायिक शिक्षा में भी सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने अटल टिंकरिंग लेब के माध्यम से शासन द्वारा उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों ने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट माडल का निरीक्षण किया एवं प्रोजेक्ट से जुड़े रुचिकर सवाल जवाब किए। अंत में विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य संजय पंडा, मीना पटेल, प्रकाश पंडा, सहायक शिक्षक दीपक कुजूर, योगेश, प्रीति सिंग, आकांक्षा पटनायक, कुमारी दीक्षा शर्मा सहित अन्य शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा।

वन अग्नि घटना की सूचना के लिए टोल फ्री नंबर 18002332631 जारी

❐ **वन अग्नि घटना रोकने वनमंडल रायगढ़ ने जारी की एडवाईजरी**

रायगढ़

कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में वनमण्डलाधिकारी रायगढ़ वनमंडल द्वारा वन अग्नि घटना को रोकने हेतु वनक्षेत्रों में घटने वाली अग्नि घटनाओं की सूचना के लिए 24&7 टोल फ्री नम्बर 18002332631 जारी किया गया है। जिससे कि समय पर अग्नि घटनाओं के संबंध में जानकारी मिल सके एवं वनों को अग्नि से बचाया जा सकें। अग्नि सीजन में जंगल में आग लगने की घटनाएं घटित होती है, रायगढ़ वनमण्डल घने जंगल से घिरा हुआ है। वनांचल क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के लिए वनोपज संग्रहण जीविकोपार्जन का प्रमुख साधन है। ग्रामीण वनोपज संग्रह के लिए पेड़ों के नीचे आग लगाते हैं। इसी तरह दावानल के कारण जंगल में आग लगने की घटनाएं घटित होती है। वनमण्डाधिकारी रायगढ़ ने जनसामान्य को सूचित करते हुए जंगलों को आग से बचाने हेतु एडवाईजरी जारी किया है। उन्होंने कहा कि जंगल के गुजरते समय बीड़ी, सिगरेट के जलते टुकड़े न फेकें। वनोपज संग्रहण के लिये पेड़ के नीचे आग न लगाएं। जंगल के भीतर आग लगाकर न छोड़ें। वन के आसपास खेतों में आग न लगाएं। वनों को अग्नि से बचाव हेतु परिक्षेत्र अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ परिक्षेत्र सहायक एवं परिसर रक्षकों के साथ समिति सदस्यों को ग्रामीणों के बीच वनों की अग्नि से सुरक्षा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। जिससे वनों में घटित होने वाले अग्नि दुर्घटना को कम किया जा सकें। वनों की अग्नि सुरक्षा हेतु फायर वाचर नियुक्त किये गये हैं। जिन्हें मौके पर उपस्थित रहकर अग्नि घटना की नियमित जांच करने निर्देशित किया गया है। आग लगने के मामले को भारतीय वन अधिनियम 1972 व वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत अपराध की श्रेणी में रखा गया है। यदि आग लगाते पकड़े जाने पर उक्त अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) ने बचाई नन्हे मयंक की जिंदगी डॉक्टरों एवं चिरायु टीम के प्रयास से मयंक हुआ स्वस्थ, घर में लौटी खुशियां

रायगढ़

शासन की चिरायु योजना से हृदय रोग से पीड़ित मासूम मयंक को नया जीवन मिला है। डॉक्टर एवं चिरायु टीम के अथक प्रयास से मयंक आज पूरी से स्वस्थ है। जिससे उनके परिवार में खुशियां लौट आयी है।

उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिले के विकासखण्ड पुसौर अंतर्गत ग्राम कोतासुरा के रहने वाले दो वर्षीय मयंक सतनामी जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) की टीम द्वारा नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर रही थी। इसी दौरान चिरायु टीम ने मयंक सतनामी की जांच की, जिसमें पता चला कि उसे जन्मजात हृदय में छेद है। इसी दौरान सत्य सांई अस्पताल रायपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा 9 नवम्बर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घरघोड़ा में धड़कन शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें मयंक की जांच पश्चात विशेषज्ञ चिकित्सक ने सत्य सांई अस्पताल में इलाज के लिए बुलाया। 30 जनवरी 2025 को उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया और 10 फरवरी 2025 को सफल ऑपरेशन किया गया। पूर्ण स्वास्थ्य जांच उपरांत मयंक अब पूरी तरह से स्वस्थ है। जिसके पश्चात 17 फरवरी 2025 को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। 19 फरवरी को चिरायु वाहन से उसे उसके घर तक सुरक्षित पहुँचाया गया। साथ ही 20 फरवरी को चिरायु टीम ने पुन: घर जाकर बच्चे की स्थिति की जांच की और जिसमें मयंक पूरी से स्वस्थ पाया गया। मयंक के पिता पदमन सतनामी एवं उनके परिवार ने चिरायु टीम, सत्य साई अस्पताल के डॉक्टरों एवं शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्य में पुसौर विकासखंड के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.विनोद नायक, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक नवीन शर्मा, चिरायु टीम के डॉ.श्री संदीप भोई एवं डॉ.मंजू पटेल व टीम का विशेष सहयोग रहा।

बीमा योजनाओं से लाभान्वित हो रही स्व-सहायता समूह की महिलाएं

❐ **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा सुरक्षा बीमा योजना से जोड़ा जा रहा पात्र सदस्यों को**

रायगढ़

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के पात्र सदस्यों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत जोड़ा जा रहा है। योजनाओं के प्रीमियम की राशि खाताधारक के बचत खाते से बैंक के द्वारा आटोडेबिट की जाती है। जिसमें उक्त दोनों बीमा को शामिल किया जाता है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत वार्षिक प्रीमियम 436 रूपये में दो लाख रूपये का जीवन बीमा किया जाता है, जिसमें बीमित सदस्य के लिये आयु 18 से 50 वर्ष निर्धारित है तथा सुरक्षा बीमा योजना के लिये वार्षिक प्रीमियम 20 रूपये में दो लाख रूपये का दुर्घटना बीमा किया जाता है। इस बीमा मे स्थाई विकलांगता को भी शामिल किया जाता है तथा उक्त दोनों बीमा में मृत्यु उपरांत नामिनी के खाते मे दो लाख रूपये बीमा की राशि लाभान्वित को प्रदाय किया जाता है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना अंतर्गत जिला रायगढ़ के विकासखंड पुसौर अंतर्गत मिड़मिड़ा कलस्टर के ग्राम पंचायत बड़े हल्दी में बीमा सखी के इन्दुमति गुप्ता द्वारा स्व-सहायता समूहों से जुड़े महिलाओं को गांव-गांव जाकर वित्तीय साक्षरता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है एवं बैंकिंग सुविधा भी दी जा रही है। वर्तमान में रायगढ़ जिले में बिहान योजना अंतर्गत स्व-सहायता समूह के लगभग 1 लाख सदस्यों को इस बीमा से जोड़ा जा चुका है साथ ही साथ इस वित्तीय वर्ष में लगभग 80 बीमित व्यक्तियों का डेथ क्लेम सेटलमेंट प्रकरण बीमा सखियों के माध्यम से बैंकों में जमा कर नामिनी को लाभान्वित किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि बीमा सखी को क्लेम सेटलमेंट पूर्ण कराने पर प्रति क्लेम के हिसाब से 1000 रू. की प्रोत्साहन राशि भी शासन के द्वारा प्रदाय की जाती है। इसके अतिरिक्त महिला स्व सहायता समूह के सदस्यों को उनके आजीविका की गतिविधियों, चक्रीय निधि के रूप में 15 हजार रुपये व सामुदायिक निवेश निधि के रूप में 60 हजार रूपये शासन के द्वारा प्रदाय किया जाता है साथ ही साथ बैंक लिंकेज के माध्यम से समूह के सदस्यों को 6 लाख रूपये तक की राशि ऋण के रूप में दिया जाता है, जिस राशि का उपयोग कर समूह की दीदीयों के द्वारा आजीविका का कार्य किया जाता है। ज्ञात हो कि उक्त दोनों बीमा के द्वारा बीमित व्यक्ति के मृत्यु उपरांत प्राप्त राशि से उसके परिवारजनों को वित्तीय सहायता मिलती है, जिससे उनके परिवार में आर्थिक रूप से स्थिरता बनी रहती है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रारंभ

❐ **लाईवलीहुड कॉलेज में उपस्थित होकर अथवा मोबाइल नंबर में संपर्क कर करा सकते है पंजीयन**

रायगढ़

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनान्तगत रायगढ़ जिले के शासकीय प्रशिक्षण केन्द्र लाईवलीहुड कॉलेज के संचालित प्रशिक्षण में सिलाई मशीन (5वीं), डोमेस्टिक डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (10वीं), इलेक्ट्रिशियन (10वीं), इलेक्ट्रिशियन डोमेस्टिक सॉल्यूशन (8वीं), जल वितरण संचालक (12वीं), रिटेल सेल्स एसोसिएट (10वीं), एवं प्लंबर (5वीं) कोर्स में नि:शुल्क गैर आवासीय प्रशिक्षण हेतु प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं, जिसमें रिक्त शेष सीटों की पूर्ति के लिए प्रवेश लिया जा रहा है। प्रशिक्षण हेतु न्यूनतम आयु 18 से 40 वर्ष होनी चाहिए। प्रशिक्षणार्थियों के आवागमन हेतु नि:शुल्क बस सुविधा उपलब्ध है। प्रशिक्षण उपरांत सफल प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इच्छुक युवक-युवतियां लाईवलीहुड कॉलेज केआईटी कॉलेज के पास, अग्रसेन आईटीआई के बगल में उड़ीसा रोड़, गढ़उमरिया रायगढ़ में समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अथवा लाईवलीहुड कॉलेज रायगढ़ के संपर्क नं. 07762-299505, एवं मोबाईल नं. 9755940953, 9827911451, 9406230959 पर संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने छावा हिंदी फिल्म को किया टैक्स फ्री घोषित

रायपुर। आरएनएस

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ऐतिहासिक वीर गाथा पर आधारित हिंदी फिल्म 'छावा' को राज्य में टैक्स फ्री घोषित करने की घोषणा की है। उन्होंने आज राजिम कुंभ के आयोजन उपरांत मीडिया से चर्चा के दौरान यह घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छावा फिल्म को टैक्स फ्री करने का निर्णय छत्तीसगढ़ की जनता को देश के गौरवशाली इतिहास से जोडने और युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम एवं शौर्य की भावना जागृत करने के उद्देश्य से लिया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'छावा' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि ऐतिहासिक परंपराओं, वीरता और स्वाभिमान की गाथा है, जिसे हर नागरिक को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह फिल्म युवा वर्ग को प्रेरित करेगी और छत्रपति संभाजी महाराज के शौर्य, बलिदान और नेतृत्व को व्यापक रूप से प्रस्तुत करेगी।

मुख्यमंत्री साय के इस फैसले से राज्य के सिनेमाघरों में फिल्म देखने के इच्छुक दर्शकों को मूल्य में राहत मिलेगी, जिससे अधिक से अधिक लोग इसे देख सकेंगे और भारतीय इतिहास की समृद्ध विरासत से प्रेरणा ले सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने मुगलों और अन्य आक्रांताओं के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने अदम्य साहस, रणनीतिक कौशल और बलिदान की अमर गाथा लिखी। फिल्म उनके अदम्य साहस और बलिदान को जीवंत करती है और राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करती है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ऐसी फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो समाज को प्रेरणा देती हैं और सांस्कृतिक चेतना को जाग्रत करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रभक्ति से जुड़ी फिल्मों को प्रोत्साहित करती रहेगी, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी अपने गौरवशाली अतीत से जुड़ी रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की जनता, विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे इस फिल्म को देखें और भारतीय इतिहास के उन स्वर्णिम पन्नों को समझें, जो आज भी हमारे जीवन को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मनरेगा की है महत्वपूर्ण भूमिका- मुख्यमंत्री साय

❐ **मुख्यमंत्री साय ने मनरेगा कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से पूरा करने के दिए निर्देश**

❐ **मनरेगा को अन्य योजनाओं से जोड़कर ग्रामीण विकास की गति तेज करने पर दिया गया जोर**

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज छत्तीसगढ़ ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद की बैठक विधानसभा परिसर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में मनरेगा कार्यों को सर्वोच्च गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि अधिकतम ग्रामीण परिवारों को इस योजना का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री साय ने विशेष रूप से गांवों में धरसा पहुंच मार्ग निर्माण और अमृत सरोवर परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूती मिले और जल संरक्षण को बढ़ावा मिले।

मुख्यमंत्री साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य केवल रोजगार देना नहीं, बल्कि ग्रामीण इलाकों को आत्मनिर्भर बनाना है। मनरेगा के तहत चल रही योजनाओं को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से लागू किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि यह योजना गरीबों के सशक्तिकरण में एक मजबूत आधार बने। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मनरेगा को अन्य योजनाओं से जोड़कर ग्रामीण विकास की गति तेज करने पर जोर दिया जा रहा है।

राज्य में मनरेगा के प्रभावशाली क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा- बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 की प्रगति, लेबर बजट 2025-26, योजना के प्रमुख इंडिकेटर्स और अभिसरण (कॉन्वर्जेंस) मॉडल पर गहन समीक्षा की गई। वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

मनरेगा आयुक्त रजत बंसल ने जानकारी दी कि प्रदेश में कुल 38.52 लाख पंजीकृत परिवारों में से 24.89 लाख परिवारों को रोजगार प्रदान किया गया है।अमृत सरोवर योजना के तहत 2,902 जलाशयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 1,095 स्वीकृत हो चुके हैं, 299 पूर्ण हो चुके हैं, और 472 पर कार्य प्रगति पर है।

बैठक में उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, प्रमुख सचिव निहारिका बारिक, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजू एस, पी. दयानंद, राहुल भगत, मनरेगा आयुक्त रजत बंसल एवं छत्तीसगढ़ ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद के सदस्यगण उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480